यही मैं हूँ!
मैल बी!

लेखनः एरल लॉयड

चित्रः डैरेक ब्रेजल

भाषान्तरः पूर्वा याज्ञिक कुशवाहा

यही मैं हूँ! मैल बी!

लेखनः एरल लॉयड

चित्रः डैरेक ब्रेजल

भाषान्तरः पूर्वा याज्ञिक कुशवाहा

अनुक्रम

परिचय

अध्याय 1 मैलनी ब्राउन

अध्याय 2 मैलनी ब्राउन, ब्राउन मैलनी

अध्याय 3 एक दुआ डैनिएल के लिए

अध्याय 4 यही मैं हूँ!

अध्याय 5 मैल बी!

अध्याय 6 राख से उठी फीनिक्स

स्पाइस गर्ल्स

परिचय

मैलनी ब्राउन (मैल बी) उन पाँच गायिका-नर्तकियों में एक है, जो दुनिया भर में स्पाइस गर्ल्स नाम से मशहूर हुईं। जब मैल छोटी-सी थी तब से ही एक मशहूर शख्सियत बनने का सपना देखा करती थी। अपने सपने को साकार करने के लिए उसने प्राथमिक व माध्यमिक शालाओं और कॉलेज में कड़ी मशक्कत की।

पर यह आसान नहीं था। उसे इस दौरान लगातार उन लोगों से जूझना पड़ा जो उसकी प्रतिभा से जलते थे और उसकी चमड़ी के रंग के कारण उसका अपमान करते थे।ut

उसे इस नज़रिए का आदी होने में और वह जो व जैसी थी, उसे स्वीकार कर, फक्र के साथ यह ऐलान करने में समय लगा, "यही मैं हूँ, मैं मिश्रित नस्ल की हूँ!"

तुम इन्टरनेट पर मैल बी के बारे में बहुत कुछ पढ़ सकते हो। पर मैल बी की इस कहानी में गुंथे कुछ तथ्य हैं। यह बताती है कि मिश्रित नस्ल की लड़की होने पर उसे लोगों की धौंस सहन करनी पड़ी, उसने पीड़ा सही, और इस सबके बावजूद बड़े होने पर वह एक खुश और कामयाब हस्ती बनी। और उस ख्याति को पा सकी जिसे हासिल करने का सपना वह बचपन में देखा करती थी।

अध्याय 1

मैलनी ब्राउन

नन्ही मैलनी कैमरा के लिए मुस्कुराती हुई

"मैलनी ब्राउन," मंच संचालिका ने ऐलान किया। वह मंच के परदों के पास खड़ी मैलनी को मंच पर बढ़ने का इशारा कर रही थी। मैलनी ब्राउन को सिर्फ 'मैल' कहलाने की आदत थी। सो उसे यह समझने में समय लगा कि उसे अपना नृत्य पेश करने के लिए मंच पर बुलाया जा रहा है।

मैल ने इस प्रदर्शन के लिए खूब मेहनत की थी। स्कूल से घर लौटने पर, घर की बैठक में अभ्यास किया था। यहाँ तक कि रात को सोने के पहले भी अपने कमरे में अभ्यास करती रही थी। घर में एक ही जगह थी जहाँ उसने अभ्यास नहीं किया था, वह था नहान-घर - क्योंकि वहाँ नाचने की जगह कम थी। उसने इतनी मेहनत सिर्फ इसलिए नहीं की थी, कि वह मंच पर अच्छा प्रदर्शन करना चाहती थी। बल्की इसलिए भी क्योंकि उसे नाचना बेहद पसन्द था।

वह जहाँ परदे के पीछे खड़ी थी, वहाँ से मंच बहुत बड़ा और गैर-दोस्ताना लग रहा था। उसने झांक कर दर्शकों को देखा, पर क्योंकि बत्तियाँ हल्की कर दी गई थीं उसे अजनबियों के मुस्कानहीन चेहरों का समन्दर ही नज़र आया। उसने घबरा कर अपनी मम, डैड और छोटी बहन को तलाशा। वे उसे हॉल तक साथ लेकर आए थे, सो उसे पता था कि वे भी वहीं होंगे, पर कहाँ?

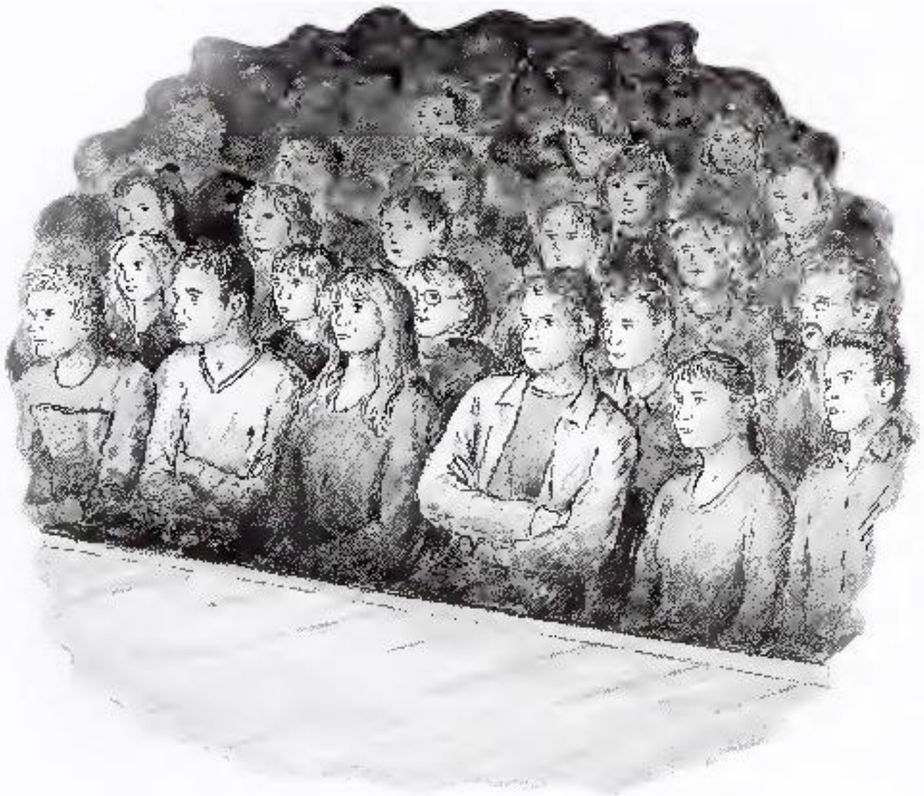

"मैलनी ब्राउन," मंच संचालिका ने डपटा, "मंच पर जाने की तुम्हारी बारी है!"

"मैल ने एक गहरी साँस भरी और घबराती हुई मंच पर आई। फौरन ही उसने सामने वाली कतार से उत्साहित लोगों के एक झुंड को तालियाँ बजाते सुना। ये उसके मम, डैड, डैनिएल, उनके कुछ पडौसी और माँ के साथ काम करने वाली दो सहेलियाँ थीं।

उनकी तालियाँ सुन दूसरे दर्शक भी तालियाँ बजाने लगे। मैल का तनाव कम हुआ, उसके चेहरे पर एक चौड़ी मुस्कान उभरी। पियानोवादक ने वह जानी-पहचानी धुन बजाई जिस पर नाचने का उसने अभ्यास किया था।

मैल ने अपना टैप नृत्य किया। "मुझे अपने नाच के कदम भूलने नहीं चाहिए," उसने खुद से कहा। पर वह सिर्फ अपनी घबराहट को ही भूली। कुछ समय बाद वह अपने कदमों की फिक्र भी नहीं कर रही थी। उसे नाचते वक़्त सिर्फ संगीत और उसके लय में टपटपाते अपने जूते ही सुनाई दे रहे थे। उसे मुक्ति और आनन्द का अद्‌भुत अहसास हुआ।

छोटी मैलनी ताल को महसूस करते हुए

बड़ी हो चुकी मैलनी, उसी मुक्ति और आनन्द को महसूस करते हुए

वह नृत्य में इस कदर खो गई कि उसे यह अहसास ही नहीं हुआ कि वह रुक चुकी है, दर्शक तालियाँ बजा रहे हैं और उसकी मम, उसके डैड और डैनियल सबसे ज़ोर से और सबसे ज़्यादा देर तक तालियाँ पीट रहे हैं।

"मैलनी ब्राउन!" परदों की आड़ से एक आवाज़ आई, जो मंच संचालिका की थी।

"झुको," संचालिका ने झुकने का इशारा करते दोहराया।

"ओह! मैं तो झुक कर शुक्रिया अदा करना भूल ही चुकी थी।" वह मंच छोड़ने के पहले कई बार झुकी। तालियों की गड़गड़ाहट उसके कानों में गूंजती रही।

मैल खुशी से भरी अपनी मम और डैड के हाथ थामे घर लौट रही थी। कुछ लोग उसे घूर रहे थे, पर मैल ने इस पर ग़ौर ही नहीं किया। उसके लिए तो दुनिया की सबसे स्वाभाविक चीज़ यह थी कि उसकी माँ गोरी और पिता काले थे।

मैल के लिए वह फ़क्र से भरा पल था जब 1999 में उसने ब्रिटिश ब्लैक म्यूज़िक में उसके योगदान के लिए दिया गया पुरस्कार स्वीकारा

अध्याय 2

मैलनी ब्राउन, ब्राउन मैलनी

अगली सुबह असैम्बली में प्रधान-अध्यापिका ने उन बच्चों की सराहना की जिन्होंने प्रदर्शन में भागीदारी की थी। उन्होंने मैलनी की खास तारीफ़ की। तब खेल घंटे के दौरान वह अमूमन जिन सहेलियों के साथ खेला करती थी उनमें से किसीने भी उसके साथ खेलना नहीं चाहा। उसकी पक्की सहेली समैन्था ने तो यों जताया मानो मैलनी वहाँ हो ही नहीं।

"तुम शेखीबाज़ हो," एक लड़की ने कहा।

"लोगों ने कल रात तालियाँ सिर्फ़ इसलिए बजाईं क्योंकि उन्हें तुम पर तरस आ रहा था।"

"उन्हें तरस इसलिए आता है क्योंकि तुम पाकी हो। उलझे बालों वाली पाकी।"

मैल को इससे पहले किसीने 'पाकी' नहीं बोला था। उसे पता ही नहीं था कि इस शब्द का मतलब क्या होता है। "पाकी का मतलब क्या है? पर जो भी हो मैं वह कतई नहीं हूँ," मैलनी ने आपत्ति की।

"हाँ तुम हो," एक लड़का बोला। सभी पाकी भूरे होते हैं। इसलिए ही तो तुम्हारा नाम मैलनी ब्राउन है। समझीं।"

मैलनी सकपका कर चुप हो गई। सोचने लगी कि भूरा होने में आख़िर बुराई क्या है?

बच्चों ने उसकी चुप्पी को अपनी जीत का सबूत मान लिया। ‘‘मैलनी ब्राउन, ब्राउन मैलनी!’’ वे बारबार दोहराने लगे। घंटी ने उसे बचाया।

जब मैलनी घर लौटी वह सीधे अपने कमरे में गई और उसने कमरे का दरवाज़ा बन्द कर लिया। वह बिस्तर पर गिरी और फफक-फफक कर रोने लगी।

बहुत समझाइश के बाद वह रात का खाना खाने, पैर पटकती हुई नीचे आई।

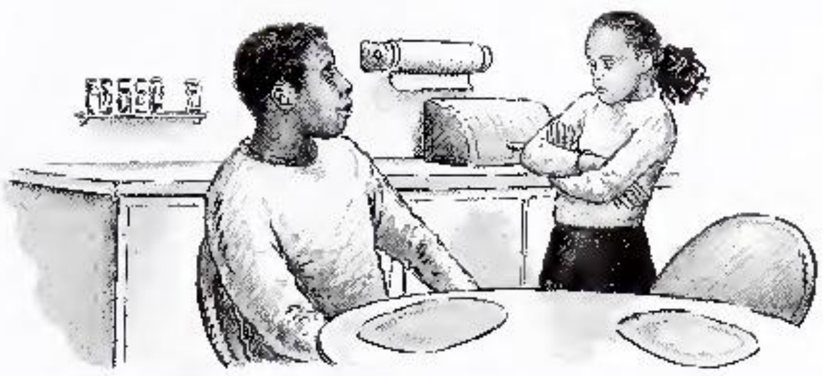

‘‘मेरी नन्ही राजकुमारी को क्या हुआ है?’’ उसके डैड अपने मृदु कैरिबियन उच्चारण में पूछा।

वह मेज़ पर उदास-सी बैठी। उसने अपने बाँहें बांधी और गुस्से से पूछा, ‘‘वे मुझे पाकी क्यों कहते हैं’’

‘‘ओह, तो वे स्कूल में तुम्हें अपशब्द कहते हैं,’’ उसके डैड ने शान्त भाव से कहा। मैल को इस बात से धक्का लगा कि डैड ने इतनी जल्दी भाँप लिया कि वह नाराज़ क्यों है। पर उसे यह समझ नहीं आया कि वे नाराज़ क्यों नहीं थे। क्या उन्हें पता नहीं था कि मैल पर क्या गुज़रा था?

‘‘वे मुझे ब्राउन (भूरी चमड़ी वाली) और पाकी और भी न जाने क्या-क्या बुलाते हैं,’’ उसने बात उगल दी। ‘‘भूरा होना ख़राब क्यों है, और पाकी का क्या मतलब होता है?’’

"पाकी दरअसल पाकिस्तानी का संक्षिप्त रूप है। इसका मतलब वह इन्सान जो पाकिस्तान से हो," डैड ने समझाया।

"सो यह उतनी बुरी बात नहीं है जितनी तुम सोच रही हो! ऑस्ट्रेलिया के लोगों को वे 'ऑसी' कहते हैं, पर वे इसका बुरा नहीं मानते," उसकी माँ ने जोड़ा।

"पर मम," मैल ने टोका, "वे पाकी ऐसे कहते हैं मानों वह एक गाली हो। वे कहते हैं कि सभी पाकिस्तानी ब्राउन (भूरे) होते हैं, जो मेरा नाम है, इसलिए मैं भी ज़रूर पाकी ही होंगी।"

"भूरे होने में या पाकिस्तानी होने में कोई बुराई नहीं," माँ ने कहा। कुछ नासमझ लोग उन सभी लोगों को पाकी कहते हैं जो गोरे न हों। फिर चाहे वे हिन्दुस्तान से हों, या तुम्हारी तरह मिश्रित नस्ल के।"

"पर उन्होंने कहा कि मेरे डैड काले हैं। और यह तो भूरे होने से भी ज़्यादा बुरा है।"

"लोग मुझे काला, भूरा, पीला या हरा तक कहें, मुझे बुरा नहीं लगता," डैड ने हंस कर जवाब दिया। "मुझे मेरा रंग पसन्द है, फिर चाहे लोग मुझे कुछ भी क्यों न कहें।"

मम भी हंसी, मानो चमड़ी के रंग का पूरा मामला ही उसे हास्यास्पद लगता हो। "जब मैं तुम्हारे डैड से मिली, मुझे पहली नज़र में ही प्यार हो गया। तुम्हारे डैड शिष्ट थे, मुझसे बेहतरीन बरताव करते थे, और मुझे हंसाते थे, जो मुझे सचमें अच्छा लगता था। पर हमारी शादी ने हमारे परिवारों को तोड़ दिया। क्योंकि न मेरे माता-पिता, न ही तुम्हारे डैड के माता-पिता इसे स्वीकार कर सके।

उन्हें लगता था कि अलग-अलग नस्लों को मिलना नहीं चाहिए। पर हमें कुछ भी जुदा न कर सका। हमने तय किया कि हम उनसे अलग रहने लगेंगे। हमारे पास बहुत पैसे नहीं थे, सो हमें एक छोटे-से, एक कमरे के फ्लैट में रहने जान पड़ा।''

इस स्मृति ने डैड को हंसा दिया। ''वह एक निहायत नम और अंधेरी-सी जगह थी। पर हमारे पास एक-दूसरे का साथ था, यही हमारे लिए सबसे कीमती था।

वह क्रिसमस का समय था,'' उन्होंने याद करते हुए कहा, ''और जब हमने फ्लैट की अग्रिम राशि और किराया चुकाया, हमारे पास बस एक बेक्ड बीन्स के टिन लायक पैसे बचे थे। पर तुम्हारी माँ ने सच ही कहा, हम बेइन्तहा खुश थे।''

मम ने कहानी आगे बढ़ाई, "जल्द ही हमारे परिवारों को अहसास हो गया कि हमें कुछ भी जुदा नहीं कर सकेगा। और जब तक हमने पंजीकरण कार्यालय में अपनी शादी का पंजीकरण करवाया, दोनों ही परिवार अपने गुरूर को काफ़ी हद तक निगल चुके थे।"

"और तुम हमारी इस कहानी का नतीजा हो," डैड ने जोड़ा। "मेरी नन्ही राजकुमारी!"

मैल अचानक बेहतर महसूस करने लगी थी। "रात के खाने में क्या है?" उसने पूछा।

"फिश और चिप्स (मछली और आलू) और बेक्ड बीन्स!" माँ ने मुस्कुराते हुए कहा। "तुम्हारा पसन्दीदा खाना।"

तथ्य सूची

पूरा नामः	मैलनी जैनीन ब्राउन
जन्म तिथीः	29 मई1975
आँखों का रंगः	भूरा
राशिः	मिथुन
पसन्दीदा रंगः	पीला
पसन्दीदा खानाः	फिश एण्ड चिप्स
पसन्दीदा संगीतः	रैप, हिपहॉप, रैगे
शौकः	बातचीत करना
स्कूल का डाकनामः	पाइनएप्पल हैड
पिता का पेशाः	इंजीनियर
माँ का पेशाः	दुकान में सहायिका

अध्याय 3

एक दुआ डैनियल के लिए

स्कूल में तरह-तरह के नामों से मैल का अपमान जारी रहा। मैल को हमेशा दूसरों से फर्क होने का अहसास करवाया जाता रहा। उसे अक्सर खेलों से बाहर रखा जाता। इसके बावजूद स्कूल में स्थिति हमेशा इतनी बेरंग नहीं होती थी, क्योंकि नाचना और गाना तो होता ही था।

मैल कभी खेल मैदान में एक पेन या मार्कर पकड़ यह ढोंग करती कि वह एक पॉप सितारा है, जो माइक थामे गा रही है। कई बार दूसरी लड़कियाँ भी इस काल्पनिक खेल में आ जुड़तीं। क्योंकि मैल गीतों के शब्द लिखने और उन्हें संगीत में पिरोने में माहिर थी। यह मैल को खुशी और लोकप्रियता के पल उपलब्ध करवाता था। पर इस बुलबुले को फोड़ने को भी हमेशा कुछ-न-कुछ होता। अमूमन तो घंटी ही बज जाती और उन्हें वापस कक्षा में जाना पड़ता। या कौन क्या गाएगा, इस पर बहस हो जाती, या कोई बेवकूफ़ी भरी टिप्पणी झगडा पैदा कर देती। तब मैल फिर अकेली पड़ जाती।

जब डैनियल स्कूल जाने लायक उम्र की हुई, मैल को बेहद खुशी हुई। कम-से-कम अब वह स्कूल की अकेली भूरी बच्ची नहीं रहेगी। पर बच्चे डैनियल को भी छेड़ने, और उस पर धौंस जमाने लगे। इससे मैल का तो दिल ही टूट गया।

वे उसकी नन्ही-सी, प्यारी-सी छोटी बहन के प्रति इस कदर निर्दयी कैसे हो सकते हैं? यह मैल को उलझन में डाल देता। कयोंकि उसे लगता कि उसकी छोटी-सी बहन दुनिया के अजीबो-ग़रीब तौर-तरीकों को समझ ही नहीं सकेगी।

एक दिन धौंसबाज़ी के कटाक्षों के बाद वह डैनियल को बाहों में लिपटा कर दिलासा दे रही थी। उसने डैनियल के रंग, उसके बालों, और उसकी आँखों पर ग़ौर किया, उसकी भौंहें तन गईं। उसने दुआ की "हे ईश्वर, मेहरबानी से ऐसा करो कि कल सुबह जब डैनियल उठे तो उसकी चमड़ी का रंग गोरा हो, आँखें नीली और बाल सुनहरे हों। ताकि उसे वह सब न झेलना पड़े जो मैंने सहा है।"

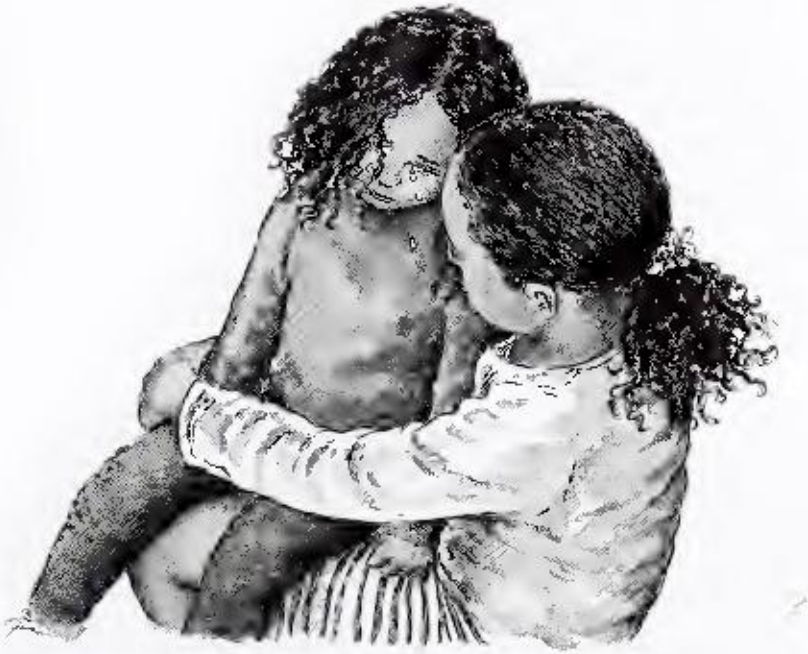

जब उसने आँखें खोलीं तो पाया कि डैनियल भी वही दुआ कर रही थी। मैल ने उसके ऊपर उठे चेहरे, जुड़ी हुई हथेलियों और निशब्दः बुदबुदाते उसके होठों को देख यह भाँप लिया था।

पर अगली सुबह कुछ भी नहीं बदला था। मैल को भारी निराशा हुई। उसने इस बात पर खास विचार नहीं किया था कि अगर डैनियल सचमें एक रात में अचानक गोरी हो जाती तो उसे कैसा लगता।

यह उसे कैसा सदमा पहुँचता। वह गोरी बच्ची डैनियल होती ही नहीं। बल्की उसकी बहन एक अनजान इन्सान में बदल जाती। यह कितना विचित्र होता।

मैल और डैनियल आज भी एक-दूसरे के उतने ही क़रीब हैं जितने वे बचपन में थे

अध्याय 4

यही मैं हूँ!

मैल बी घर से बाहर

साल गुज़रते गए, मैल और डैनियल दोनों ही, वे जो थे उसे लेकर अधिक सहज होने लगे। जब वे जनता के सामने नाचते-गाते, उनकी वाहवाही ने भी उनकी मदद की। ऐसा लगता मानो जब वे मंच पर होते तब कोई उनकी चमड़ी के रंग पर ग़ौर ही नहीं करता। या अगर करते भी, तो वह जो देखते वह लोगों को पसन्द आता था।

एक दिन, जब मैल सिर्फ तेरह वर्ष की थी, कुछ ऐसा घटा जिसने उसे रुक कर सोचने पर मजबूर कर दिया। इस घटना ने उसे अपने उस नज़रिए को आकार देने में मदद की जिससे वह खुद को और डैनियल को देखा करती थी।

वह शनिवार का गुनगुना दिन था। वह लीडस् के कई शॉपिंग मॉलों में से एक में थी। उसके कंधों तक के लम्बे घुंघराले बाल खुले थे, और मिज़ाज़ खुश था। वह एक बुटीक में जीन्स पहन कर उन्हें जाँच रही थी कि बुटीक की एक सहायिका, जो गोरी थी, उसके पास आई।

''आपके बाल ऐसे कैसे बने?'' उसने पूछा।

''क्या मतलब?'' मैल ने पूछा, क्योंकि उसे लगा कि लड़की उसके बालों की आलोचना कर रही है।

इस पर लड़की ने आगे जोड़ा, ''मैंने इतनी बार अपने बालों को आपके जैसे बनाने के लिए पर्म (बालों को कृत्रिम रूप से घुंघराले बनाने की विधि) करवाया है। पर मैं हमेशा नाकाम रही।''

मैल हंस पड़ी। ''मुझे पता नहीं। मैं तो कुछ भी नहीं करती। मेरे बाल स्वाभाविक रूप से ऐसे ही हैं।''

उसी दिन जब मैल अपनी ख़रीददारी की थैलियाँ लिए घर लौट रही थी, एक काली लड़की ने उसे रोका और पूछा, ''आपके जैसे बाल मैं कैसे पा सकती हूँ?''

मैल फिर से हंसी। एक ही दिन में एक ही सवाल उससे दो बार पूछा गया था। पहले एक गोरी लड़की ने तब एक काली लड़की ने। यह सचमें अजीब था। उसने दोनों को वही जवाब दिया था, ''मुझे पता नहीं। मेरे बाल तो ऐसे ही हैं।''

घर के रास्ते बढ़ते हुए उसने इस बारे में सोचा। ''मैं जैसी दिखती हूँ वह लोगों को पसन्द है,'' उसने सोचा। ''और मैं इसलिए ऐसी दिखती हूँ क्योंकि मैं ऐसी ही हूं।''

वयस्क मैल बी वह जो है और जैसी है उसे सहजता से स्वीकारती है। वह अपनी दिखत के साथ कई प्रयोग करती है।

वह समय आ चुका था कि वह जो है और जैसी है उसे मज़बूती से स्वीकारे। उसका एक स्नेहिल परिवार था, जिसमें माँ गोरी और पिता काले थे। उसके पास दो समृद्ध संस्कृतियाँ थीं - एक कैरिबियन और एक ब्रितानवी। और वह किसीके भी दबाव में आकर उनमें से एक को चुनने वाली भी नहीं थी। वे दोनों ही संस्कृतियाँ उसकी अपनी थीं। "यह ऐलान बुलन्दी से करो," उसने खुद से कहा, "मैं मिश्रित नस्ल की हूँ, और मुझे इस पर फ़क्र है।"

मैल बी अपनी सहेलियों के साथ हंसते हुए

उसके काले दोस्त थे और गोरे भी, और वह उनके बीच के छिछोरे अन्तरों में कोई एक का पक्ष नहीं लेने वाली थी। वह जानती थी कि ऐसा करना मुश्किल होगा। क्योंकि जब वह अपने काले दोस्तों के बीच होती वे गोरों को नीचा दिखाने की कोशिश करते, और उससे उम्मीद रखते कि वह भी ऐसा करे।

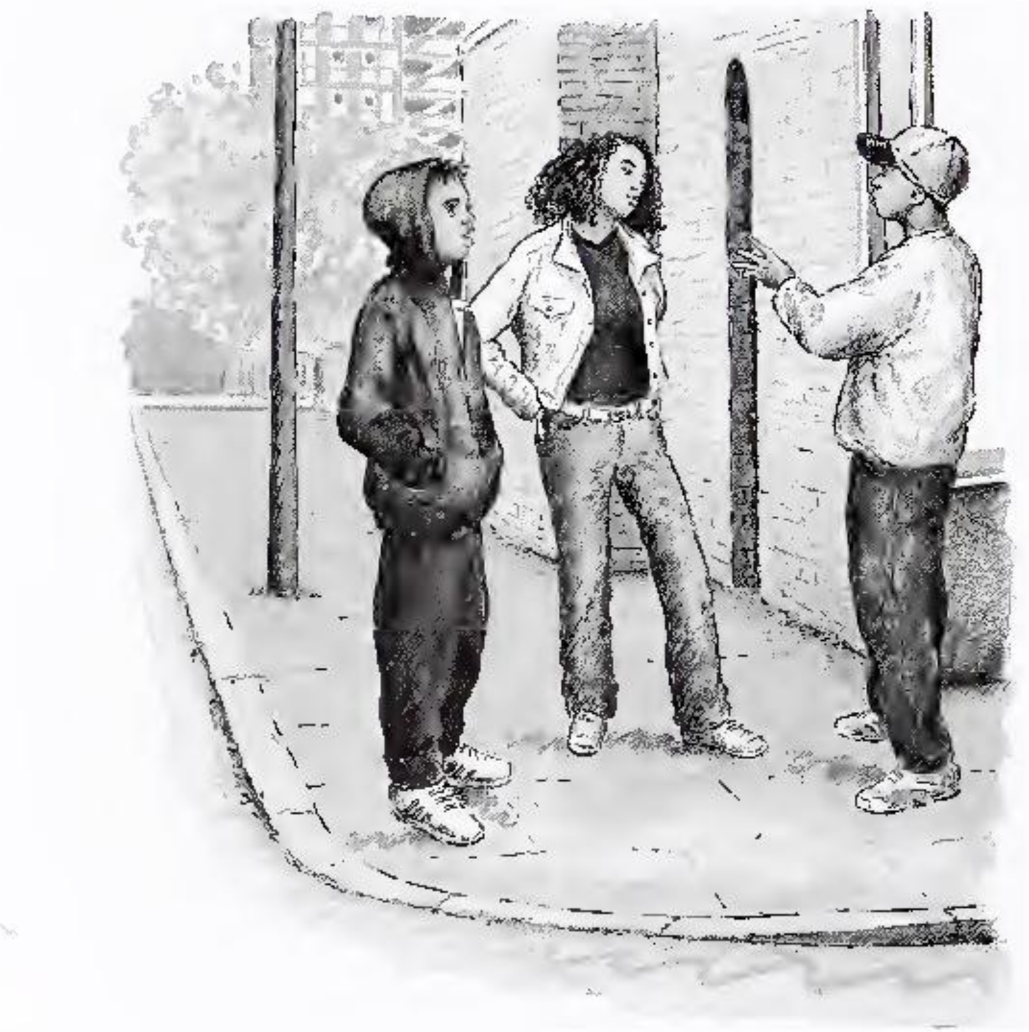

इसका उल्टा गोरे दोस्तों के साथ होने पर भी होता, जिन्हें कालों के इतिहास के बारे में कुछ भी पता नहीं था। उन्हें यह समझ ही नहीं आता था कि काले लोग कई बार इतने नाराज़ क्यों हो जाते हैं।

अध्याय 5

मैल बी

मैल मनोरंजन जगत में कामयाब होना चाहती थी। उसने तय किया कि यह कर पाने के लिए लन्दन ही सबसे अच्छी जगह है। सो उन्नीस वर्ष की उम्र में उसने घर छोड़ने का फ़ैसला किया। अपने मम और डैड से विदा लेन उसे मुश्किल लगा।

इधर उसके माता-पिता को भी यह चिन्ता थी कि वह लीडस् जैसे छोटे शहर से निकल कर इतने बड़े शहर में रहने जा रही है। पर वे यह समझते भी थे कि मशहूर होने के उसके सपने के आड़े आना बेवकूफ़ी होगी। पर इससे भी ज़्यादा कठिन मैल के लिए डैनियल से विदा लेना था।

मैल को डैनियल की फ़िक्र थी। वह खुद को न केवल उसकी बड़ी बहन मानती थी बल्की उसकी संरक्षिका भी। डैनियल ने उसके विचार पढ़ लिए। "फ़िक्र न करो मैल मैं ठीक रहूँगी। तुम ठीक से अपना ख़याल रखना।"

मैल बी और मैल सी 2000 में लन्दन के एक शुभारंभ समारोह में

लन्दन में जा मैल ने मनोरंजन उद्योग में मौका पाने के लिए कड़ी मशक्कत की। वह एक टीवी के धारावाहिक *कॉरोनेशन स्ट्रीट* में दिखी, और एक संगीत समूह के लिए नाचने लगी, जहाँ उसकी मुलाकात एक प्रतिभाशाली गायिका और नर्तकी मैलनी चिज़हम से हुई। वे अच्छी दोस्त बनीं और तब एक ही किराए के कमरे में साथ रहने लगीं।

उन्होंने एक दिन एक पत्रिका में इश्तहार देखा। उसमें लिखा था: "क्या तुम 18-23 की हो, और तुममें गाने/नाचने की काबलियत है? क्या तुम चतुर, खुशमिज़ाज़, महत्वाकांक्षी और समर्पित हो?"

"यह तो हमारे लिए बिलकुल सही है," मैल ने अपनी सखी से कहा।

चार सौ लड़कियों ने उस इश्तहार के जवाब में आवेदन किया और केवल पाँच लड़कियों का चयन हुआ। मैलनी ब्राउन और मैलनी चिज़हम उनमें शामिल थीं। जब उन्हें यह ख़बर मिली वे खुशी से उछलने लगीं।

पर तब कड़ी मशक्कत का दौर शुरू हुआ। वे बर्कशर के एक मकान में बाकी तीन लड़कियों से मिलीं, उन्हें कई गीत और विशेष नृत्य सिखाए गए। ये तीन लड़कियाँ थीं गैरी हैलेवल, विक्टोरिया एडमस् और एमा बन्टन। उन्होंने खुद को स्पाइस गर्ल्स का नाम दिया।

महीनों के कड़े अभ्यास के बाद उनका पहला एल्बम *स्पाइस* निकला। यह फ़ौरन ही अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रिय हो गया। उनका पहला एकल गीत *वॉनाबी* ने इक्कीस देशों में अव्वल गीत का दर्जा पा लिया।

मैल सातवें आसमान पर थी। न मैल ने, ना ही समूह की अन्य लड़कियों ने इस तरह की कामयाबी का सपना तक देखा था। वे अचानक विख्यात हो गईं। उनकी तस्वीरें लगभग हर दिन अख़बारों में छपने लगीं।

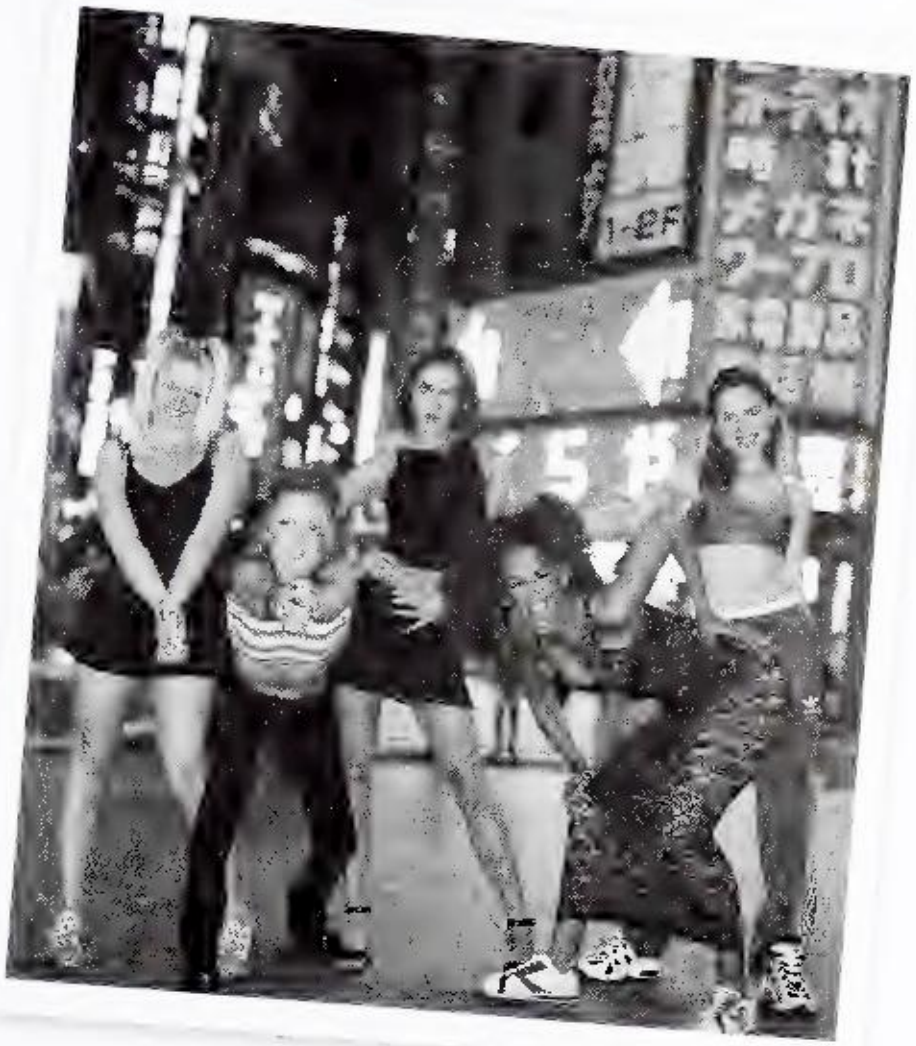

1996 में स्पाइस गर्ल्स

अध्याय 6

राख से उठी फीनिक्स

एक कामयाब पॉप सितारे की ज़िन्दगी रोमांचक होने के साथ थकाऊ भी थी। कभी मैल को लगता कि काश वह फिर से लीडस् की साधारण लड़की बन पाती। तो कभी उसे लगता कि वह अपने जीवन में कुछ भी बदलना नहीं चाहती है।

उसके जीवन की सबसे महत्वपूर्ण घटना थी उसकी बेटी फीनिक्स ची का जन्म, जो स्पाइस गर्ल्स समूह के एक नर्तक जिमी गुलज़ार से उसके विवाह के कुछ समय बाद हुआ था।

मैल जब छोटी थी तब की तुलना में दुनिया बहुत बदल चुकी थी। वह अब यह कल्पना तक नहीं कर सकती थी कि फीनिक्स पर भी उसी तरह की धौंस जमाई जाएगी जो उसने और डैनियल ने झेली थी।

अब, जब डैनियल भी एक लोकप्रिय टीवी कार्यक्रम से जुड़ गई थी, मैल को लगा कि उसके और उसके परिवार का जीवन उम्दा है। और वह चाहती थी कि स्थिति ऐसी ही बनी रहे।

पर यह सुनिश्चित करने के लिए एक दिन मैल ने फीनिक्स को अपनी बाँहों में तब उठाया, जब वह अपने प्लेपैन (खेलने का बाड़ा) में खेल रही थी। उसने मन ही मन शपथ ली कि वह किसी भी सूरत में अपनी बिटिया को उस पीड़ा से बचाएगी जो उसने और डैनियल ने झेली थी। उसने अपनी आँखें मीचीं और दिलोजान से दुआ की।

मैलनी अपनी चहेती बेटी फीनिक्स के साथ

स्पाइस गर्ल्स

दोनों मैलनियाँ, मैल बी ओर मैल सी नाम से जानी जाती थीं ताकि उनमें अन्तर किया जा सके। पर किशोरों की एक पत्रिका ने स्पाइस गर्ल्स को ये उपनाम दिए थेः पॉश, जिंजर, स्पोर्टी, बेबी और स्केयरी स्पाइस।

स्पाइस गर्ल्स

मैल सी 'स्पोर्टी स्पाइस' थी, क्योंकि उसमें खेल-कूद (एथलैटिक्स) की क्षमताएं थीं।

स्पोर्टी स्पाइस

बेबी स्पाइस

एमा बन्टन 'बेबी स्पाइस' थी, क्योंकि वह उम्र में सबसे छोटी थी।

मैल बी को 'स्केयरी स्पाइस' का नाम दिया गया क्योंकि लोग मानते थे, कि वह डरावनी हो सकती है। मैल बी को इससे कोई फ़र्क नहीं पड़ता था। उस पर धौंस जमाने के पहले लोग दो बार सोचते थे।

स्केयरी स्पाइस

पॉश स्पाइस

विक्टोरिया एडमस् 'पॉश स्पाइस' कहलाती थी, क्योंकि वह परवरिश से ही सुसंकृत थी।

जैरी 'जिंजर स्पाइस' कहलाई, क्योंकि उसके चमकीले लाल बाल थे।

जिंजर स्पाइस

यही मैं हूं !

मैल बी

लीडस् के एक स्कूल में पढ़ते समय मैल मशहूर होने के सपने देखती है। और उसे इस सपने को हासिल करने से कोई रोक भी नहीं सकेगा।

जब वह और उसकी सहेली मैलनी चिज़हम गायिकाओं और नर्तकियों के एक ऑडिशन (चयन परीक्षा) में गईं उन्हें कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ा। वहाँ चार सौ युवतियाँ मौजूद थीं! पर उनमें से सिर्फ़ पाँच को चुना गया, मैल बी, मैल सी, विक्टोरिया, जैरी और एमा को। स्पाइस गर्ल्स आ पहुँची थीं!